बिहार सरकार

Catch-Up Course

सेतु–सामग्री

कक्षा : VII & VIII

विषय : संगीत (गायन, वादन)

सहयोग : बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, बिहार

अकादमिक सहयोग : यूनिसेफ, बिहार

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित

शिक्षकों के लिए निर्देश

आप सभी अवगत हैं कि पिछले लगभग 10 माह से कोविड 19 के कारण विद्यालयों में बच्चों का पठन–पाठन सहित अन्य शैक्षणिक कार्य बाधित रहा है जिसके कारण उनके सीखने की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हो गई है। इस लंबे और त्रासद अंतराल ने इस दौरान सीखने के अपेक्षित अवसरों को, खास कर विद्यालय में, कम कर दिया जिसके कारण बच्चों में Learning Loss या Gap बढ़ गया है। अतः ये आवश्यक और अपेक्षित है कि इस Learning Loss या Gap को कम किया जाय। शिक्षा से जुड़े विभिन्न हितधारकों से व्यापक विचार–विमर्श के उपरांत राज्य स्तर पर यह निर्णय लिया गया कि बच्चों के सीखने सिखाने की प्रक्रिया को गति प्रदान करने और उनमें अगली कक्षा की दक्षताओं के प्रति तत्परता उत्पन्न हो सके, इसके लिए अगले तीन महीनो के लिए कोविड काल से सम्बन्धित कक्षा के लिए, अधिगम प्रतिफलों के आलोक में विषय वस्तु को इस तरह तार्किक और संतुलित रूप से कम करते हुए प्रस्तुत किया जाय कि Learning Loss या Gap को कम किया जा सके। इसके लिए तीन माह का Catch-Up-Course विकसित करते हुए पाठ्य–पुस्तक से उन सामग्रियों/विषय वस्तुओं/गतिविधियों की पहचान की गई जिनके माध्यम से बच्चों के Learning Loss या Gap को कम करते हुए अपेक्षित अधिगम प्रतिफल सुनिश्चित कर उन्हें अगली कक्षा के लिए तैयार और तत्पर किया जा सके। वस्तुतः चिन्हित सामग्री/विषय वस्तु/गतिविधियां, क्रियाकलाप तथा शिक्षण रणनीति पूर्व और अगली कक्षा के लिए सेतु का कार्य करेगी।

वैकल्पिक शैक्षणिक कैलेंण्डर के अंतर्गत Catch-Up-Course और चयनित विषय वस्तु के आलोक में बच्चों में अपेक्षित अधिगम प्रतिफल सुनिश्चित हो सके इस हेतु निम्न तथ्यों को ध्यान में रखा जाना अपेक्षित है।

- कोविड– 19 की सुरक्षा से सम्बन्धित सभी विभागीय निर्देशों एवं प्रावधानों का पूर्णतः सावधानी से अनुपालन किया जाए।
- Catch-Up-Course कुल 60 दिनों के लिए विकसित किया गया है।
- चयनित विषयवस्तु में संगीत (गायन,वादन) की पाठ्य–पुस्तक 6–7 के पाठ लिए गए हैं। कक्षा 6–7 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा 7–8 में पढ़ रहे हैं, उनके लिए तीन महीनों का Catch-Up-Course है।
- चिन्हित पाठों से सम्बन्धित अधिगम प्रतिफल या सीखने के प्रतिफल Catch-Up-Course के सम्बन्धित पाठ के साथ दिये गए हैं।
- सभी चिन्हित पाठों के लिए अधिगम संकेतक दिये गए है जिनके आलोक में बच्चों में अधिगम सुनिश्चित किया जाना अपेक्षित है।
- पुनः सभी पाठों के साथ बच्चों में सहज अधिगम सुनिश्चित किए जाने को ध्यान में रखते हुए उससे सम्बन्धित कुछ सुझावात्मक प्रक्रिया दी गई है जिनका उपयोग कक्षा कक्ष प्रक्रिया में किया जा सकता है। ध्यान रहे ये प्रक्रिया मात्र सुझाव है न कि अंतिम। आप पाठ से सम्बन्धित नवाचारी प्रक्रियों का उपयोग करके अपनी प्रस्तुति को और भी सुगम बनाते हुए बच्चों के सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को सहज और आकर्षक बना सकते हैं।
- सुझावात्मक प्रक्रिया के अंतर्गत पाठ से सम्बन्धित गतिविधियां, क्रिया कलाप और तालिकाओं की चर्चा की गई है जिन्हें कक्षा कक्ष में सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में शामिल किया जाना अपेक्षित है जिससे बच्चों का सीखना सुनिश्चित हो सके और अधिगम प्रतिफल की संप्राप्ति हो सके।
- सुविधा के लिए प्रत्येक पाठ से संबन्धित गतिविधियों, क्रियाकलाप और तालिका से संबन्धित पृष्ठों को भी अंकित किया गया है।
- पुनः सभी चिन्हित पाठों से संबन्धित सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए संभावित दिनों की संख्या भी सुझााई गई है जिसे ध्यान में रखा जाय।

- सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में बच्चों को बातचीत करने, अपने अनुभवों को साझा करने और जहां तक संभव हो स्वयं से कर के सीखने का पर्याप्त अवसर दिया जाना अपेक्षित है। इससे बच्चों को कोविड 19 के कारण हुए विविध आघात (Trauma) और संबन्धित दुष्प्रभावों से बाहर निकालने में मदद मिलेगी, बच्चे सहज हो सकेंगे, विद्यालय, कक्षा और अपने सहपाठियों के प्रति भी सहज हो सकेंगे।
- यह ध्यान रखा जाना आवश्यक है कि बच्चे पूरी शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में मानसिक और शारीरिक रूप से सहज बने रहे। सम्पूर्ण शैक्षिक प्रक्रिया और विद्यालय वातावरण दबावमुक्त हो।

निदेशक
(गिरिवर दयाल सिंह)
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
बिहार, पटना।

शैक्षणिक सत्र 2021–22 के लिए तीन माह की सेतु सामग्री (catch up course)
कक्षा : 7 (कक्षा–6 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा 7 में पढ़ रहें हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवस की सामग्री)

Class : **7th** **Subject :** संगीत (गायन एवं तंत्र वाद्य)

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक एवं संसाधन	(क्रियात्मक) सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनोंमें)
✓ विद्यार्थी संगीत के तीनों विधाओं के बारे में समझते है।	• परिभाषा संगीत गायन, वादन, नृत्य	✓ DD Bharti, दूरदर्शन मोबाईल फोन एवं संगीत शिक्षक के माध्यम से जानकारी प्राप्त करते है।	✓ संगीत के बारे में बच्चों को समझाना गायन, वादन एवं नृत्य इन तीनों विधाओं के बारे में बताना	प्रत्येक बिंदू व अध्याय के लिए 5–6 दिन
✓ सरगम को समझने का प्रयास करते है।	• स्वर ज्ञान	✓ सातों स्वर के बारे में बताते है सा, रे, ग, म, प, ध नि सां सां नि ध प म ग रे सां	✓ स्वर के बारे में समझाना और वाद्य यंत्र पर गाने व बजाने का तरीका को बताना	
✓ चेतना सत्र से विद्यार्थियों में सकरात्मक सोंच विकसित करते है।	• प्रार्थना गीत	✓ संगीत के गुरूजी के द्वारा गीत के बोलों को गाकर समझाते है।	✓ प्रार्थना गीत (सर्व धर्म समभाव गीत) तू ही राम है तू रहीम है गीत को चेतना सत्र में वर्ग में ही गाने व बजाने का अभ्यास कराना। ✓ बिहार राज्य प्रार्थना एवं बिहार गीत चेतना सत्र में करने का अभ्यास करना ✓ राष्ट्रगान गाने का अभ्यास कराये। जिसकी समय 52 सेकण्ड में हो।	कुल अवधि 60 कार्य दिवस
✓ विद्यार्थी ताल के बोल को पढते ओर बजाते है।	• ताल कहरवा/दादरा का परिचय	**कहरवा(8 मात्रा)** धा गे न ति। न क धि न + 0 **दादरा (6 मात्रा)** धा धि ना । धा तूं ना + 0	✓ कहरवा/ दादरा ताल के बारे में परिचय बताते हे एवं उसके बोलों को हाथ पर ताली खाली के साथा दिखाने का अवसर दे।	
✓ वाद्य–यंत्र के बारे में समझते है।	• वाद्य यंत्र का परिचय	✓ इंटरनेट के माध्यम से जानकारी प्राप्त करते है।	✓ वाद्य यंत्र के रेखाचित्र बनाकर उनके अंगो को दर्षाना एवं उनके मुख्य कार्यो के बारे में समझाना।	

✓ राग यमन को गाने व बजाने की क्रिया को समझने का प्रयास करते है।	• राग यमन	✓ **<u>राग यमन का आरोह अवरोह</u>** नि़ रे ग मे प ध नि सां सां नि ध प मे ग रे सा **<u>पकड़</u>** नि़ रे ग, रे ग, पमेग, रेसा, ध़नि़रेसा **संसाधन** हारमोनियम, तबला, करताल	✓ राग यमन का परिचय एवं आरोह अवरोह पकड़ को गाने व बजाने का अभ्यास करानां ✓ इसी राग में रचित देषभक्ति गीत ''जहां डाल डाल पर '' गीत में यमन राग की छाया दिखाते है।	

शैक्षणिक सत्र 2021–22 के लिए तीन माह की सेतु सामग्री (catch up course)
कक्षा–8 (कक्षा–7 के बच्चे जो सत्र 2021–22 में कक्षा 8 में पढ़ रहें हैं, उनके लिए 60 कार्य दिवस की सामग्री)

Class : 8th **Subject :** संगीत (गायन एवं तंत्र वाद्य)

सीखने का प्रतिफल	अध्याय	अधिगम संकेतक एवं संसाधन	(क्रियात्मक) सुझावात्मक प्रक्रिया	अवधि (दिनोंमें)
✓ सरगम को लिखने और गाने की क्रिया को समझते है।	• स्वर के प्रकार	✓ शुद्ध स्वर (सा रे ग म प ध नि) विकृत स्वर कोमल स्वर – रे ग ध, नि तीव्र स्वर – म	✓ संगीत के सात स्वर (षुद्ध स्वर) एवं पांच स्वर (विकृत स्वर) के बारे में जानने का अवसर दे तथा गाने व बजाने का अभ्यास कराये।	प्रत्येक बिंदु/ अध्याय के लिए 5–6 दिन
✓ विद्यार्थी अलंकार को गाने बजाने की क्रिया को सीखते है।	• अलंकार को लिखने का ज्ञान	अलंकार के आरोह अवरोह 1 सा सा रे सा सा रे ग रे सा सा रे ग म ग रे सा सा रे ग रे सा सा रे सा सा 2 सारे रेग गम मप पध धनि निसां संनि निध धप पम मग गरे रेसा 3 सारेग रेगम गमप मपध पधनि धनिसां सांनिध निधप धपम पमग मगरे गरेसा	✓ अलंकार के आरोह अवरोह द्वारा रियाज व अभ्यास कराते है। सरल व सुगमता से याद होने लायक अलंकार का रियाज अभ्यास करते है।	कुल अवधि 60 कार्य दिवस
✓ विद्यार्थी गीत के धुन को गाते व बजाते है।	• प्रार्थना गीत	✓ गुरूजी के द्वारा ध्यानपूर्वक गीत के धुन को सुंनकर समझने का प्रयास करते है।	✓ वर्ग में चेतना सत्र का आयोजन करना तू ही राम है, तू रहीम है का बजाकर गाने का अभ्यास करते है।	

✓ ताल के एक–एक मात्रा को बोलना तथा हाथ पर गिनने का अभ्यास करते है। ✓ तबला पर ठेका बजाने की क्रिया को सीखते है। ✓ विद्यार्थी वाद्य यंत्र पर गाने व बजाने की क्रिया को सीखते है। ✓ संगीत में महत्वपूर्ण योगदान के बारे में जानकारी प्राप्त करते है।	• ताल कहरवा तथा दादरा • राग भैरव • जीवनी पण्डित विष्णु नारायण भातखण्डे	**कहरवा (8 मात्रा)** धा गे न ति। न क धि न + 0 **दादरा (6 मात्रा)** धा धि ना । धा तूं ना + 0 **राग का आरोह–अवरोह** सा रे ग म प ध नि सां सां नि ध प म ग रे सा **पकड़** ग म ध प मग, मरे सा ✓ इन्टरनेट की सुविधा से जानकारी प्राप्त करते है। **– संसाधन –** **हारमोनियम, तबला, करताल इत्यादि।**	✓ कहरवा एवं दादरा ताल का परिचय तथा उनके बोल को हाथ पर गिनना ✓ हाथ पर ताली–खाली दिखाने का अभ्यास करना। ✓ राग भैरव का परिचय बताते है तथा आरोह अवरोह पकड़ के साथ रियाज/अभ्यास करते है। ✓ बच्चे को वर्ग में इनके संगीत में दिए गए योगदान के बारे में समझने का अवसर देते है।	

संगीत (गायन, वादन, नृत्य)
लेखन

नाम	विद्यालय / संस्थान का नाम
उपेन्द्र कुमार	एस0बी0 +2, विद्यालय, आरा(भोजपुर)
सुजीत कुमार शर्मा	उ0 मा0 विद्यालय, फुलवारी, पटना

अकादमिक सहयोग : राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार के संकाय सदस्य

- डॉ0 किरण शरण, संयुक्त निदेशक (डायट)–सह–विभाग प्रभारी भाषा एवं सामाजिक विज्ञान विभाग
- डॉ0 रश्मि प्रभा, विभाग प्रभारी, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डॉ0 रीता राय, विभाग प्रभारी, अध्यापक शिक्षा विभाग
- डॉ0 वीर कुमारी कुजूर, विभाग प्रभारी, शिक्षण शास्त्र, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन विभाग
- श्री राम विनय पासवान, विभाग प्रभारी, दूरस्थ शिक्षा विभाग
- डॉ0 स्नेहाशीष दास, विभाग प्रभारी, विद्यालयी शिक्षा विभाग
- डॉ0 राधे रमण प्रसाद, विभाग प्रभारी, शारीरिक, कला एवं क्राफ्ट विभाग
- डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद मंडल, विभाग प्रभारी, शोध, योजना एवं नीति विभाग
- श्री तेजनारायण प्रसाद, व्याख्याता, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
- डॉ0 अर्चना, प्रभारी, शिक्षा मनोविज्ञान विभाग
- श्रीमती विभा रानी, समन्वयक जनसंख्या शिक्षा कोषांग
- श्रीमती आभा रानी, सम्प्रति व्याख्याता, एस0 सी0 ई0 आर0 टी0., पटना

◆◆◆